Literacy for a Billion

Movie: Phool Aur Patthar
Year: 1966

Song: Sun Le Pukar Aai
Lyricist: Shakeel Badayuni

दिया ना बुझा मेरे घर का
मेरी तक़दीर के मालिक

सुन ले पुकार आई
आज तेरे द्वार लेके
आँसुओं की धार मेरे साँवरे

सुन ले पुकार आई
आज तेरे द्वार लेके
आँसुओं की धार मेरे साँवरे

मैं तो एक भीख माँगूँ तोसे
फैलाके हाथ रे

सुन ले पुकार आई
आज तेरे द्वार लेके
आँसुओं की धार मेरे साँवरे

बिनती करूँ मैं तोसे
जग के खेवैया
डूब ना जाए मेरी
आशा की नैया

बिनती करूँ मैं तोसे
जग के खेवैया
डूब ना जाए मेरी
आशा की नैया

किसको दिखाऊँ जाके
दर्द मैं अपना
कोई नहीं है मेरा
कृष्ण कन्हैया
कृष्ण कन्हैया

सुन ले पुकार आई
आज तेरे द्वार लेके
आँसुओं की धार मेरे साँवरे

मैंने प्रभु आज तक
कुछ नहीं माँगा
मैंने प्रभु आज तक
कुछ नहीं माँगा

आज तो दान दे दे
अपनी दया का
बदले में चाहे मेरी
जान भी ले ले

बचा ले सहारा दाता
इस दुखिया का
इस दुखिया का

सुन ले पुकार आई
आज तेरे द्वार लेके
आँसुओं की धार मेरे साँवरे

तूने जो मेरे दिल की
ज्योति बुझाई

ओ दुनियावाले होगी
तेरी हँसाई

तूने जो मेरे दिल की
ज्योति बुझाई
ओ दुनियावाले होगी
तेरी हँसाई

ऐसा भलाई का जो
बदला मिलेगा
कभी ना मिटेगी तेरी
जग से बुराई

जग से बुराई

सुन ले पुकार आई
आज तेरे द्वार लेके
आँसुओं की धार मेरे साँवरे

सुन ले पुकार
सुन ले पुकार
सुन ले पुकार
सुन ले पुकार
सुन ले पुकार

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.